

Cambridge University Press

978-1-108-00713-9 - The Greek New Testament, Volume 2: Luke-John

Edited by Samuel Prideaux Tregelles

Excerpt

[More information](#)

ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ

ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ.

A B [C] D [P] R. α
L X Δ.
1. 33. 69.
ΕΦ[Η]ΚΜΣΥΓ.Δ.
Vulg. a. b. c.
Syr. P. H.
Memph. [Theb.]
Goth. Arm. Eth.
§ P
§ C
§ Theb.
§ H
¶ Theb.

¶ H

1^ο Ἐπειδήπερ πολλοὶ ἐπεχείρησαν ^{δι} ἀνατάξασθαι διήγησιν περὶ τῶν πεπληροφορημένων ἐν ἡμῖν πραγμάτων, καθὼς παρέδοσαν ἡμῖν οἱ ἀπόλυτοι ἀρχῆς αὐτόπται ^{δι} καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου, ἔδοξεν κάμοὶ παρηκολουθηκότι ἄνωθεν πᾶσιν ἀκριβῶς καθεξῆς σοὶ γράψαι, κράτιστε ^{δι} Θεόφιλε, ἵνα ἐπιγνῷς περὶ ὧν κατηχήθης λόγων τὴν ἀσφάλειαν.

2^ο Ἐγένετο ἐν ταῖς ἡμέραις Ἡρώδου ταῦτα βασιλέως τῆς Ἰουδαίας ἱερέως τις ὀνόματι Ζαχαρίας ἐξ ἐφημερίας Ἀβιά, καὶ τὸ γνητὸν αὐτῷ ἐκ τῶν θυγατέρων Ἄρων, καὶ τὸ ὄνομα αὐτῆς Ἐλισάβετ. ἦσαν δὲ δίκαιοι ἀμφότεροι ἐναντίον τοῦ θεοῦ, πορευόμενοι ἐν πάσαις ταῖς ἐντολαῖς καὶ δικαιώμασιν τοῦ κυρίου ἀμεμπτοι. καὶ οὐκ ἦν αὐτοῖς τέκνον, καθότι ἦν [ἡ] Ἐλισάβετ στέρη, καὶ ἀμφότεροι προβεβηκότες ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῶν ἦσαν. ἐγένετο δὲ ἐν τῷ

^{1(1,10.)} Quoniam quidem multitudi conati sunt ordinare narrationem quae in nobis complectae sunt rerum, sicut tradididerunt nobis qui ab initio ipsi viderunt et ministri fuerunt sermonis, visum est et mihi assecuto a principio omnia diligenter ex ordine ribi scribere, optime Theofile, ut cognoscas eorum verborum de quibus eruditus es veritatem.

² Fuit in diebus Herodis regis Iudeae sacerdos quidam nomine Zacharias de vice Abia, et uxor illi de filiis Aaron, et nomen eius Elisabet. Erant autem iusti ambo ante deum, incidentes in omnibus mandatis et iustificationibus domini sine querella. Et non erat illis filius, eo quod esset Elisabet sterelis et ambo processissent in diebus suis. Factum

Inscriptio
ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ
in ACDLXΔ. 1. 33. EKMSsU.
ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ
in BF.
ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ ΑΓΙΟΝ ΕΥΑΓΓ.
Γ.
ΕΚ ΤΟΥ ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ
69.

ΛΟΥΚΑΣ in Α** (om. Α*)
(In codicibus PR inscriptio non legitur.)

1. επιχειρ. 1. (postea ανταξασθαι L.)
— πεπληροφορημένων] πληροφορημένων
sic Δ.
— εν] om. F.
2. καθὼς ABPR. rel. Orig. iv. 315^a. |
καθ' α. D. Eus. H.E. iii. 4 (91). D.E.
120^d.

2. παρισσαν BDPR. rel. Orig. iv. | -δωκαν K. Eus. D.E. | -δωσαν ΔΧ.
— γενομένοι] om. XI. | Contra, rel. Iren. 202. 227. Orig. iv. Eus. H. E. D.E. (γενομένον C.)
3. καροι] add. et spiritu sancto b. add. et spiritui sancto g!. Goth. | Contra, Vulg. c.e.f.f. (hiat a.) Orig. int. Hier. iii. 93; e.f.
4. ὥν] των D*. (seq. καταχηθης Δ*.)
5. βασιλεως] †praeim. του Σ. ACDP. rel. [h. H.] | om. BRL.
— ονοματι] ονομα Ε.
— γυνη] †praeim. η Σ. AFRL. rel. | om. BCDX. 1. 33. [h. H.]
— αυτῳ BC*DL(N). 1. 33. Am. Fuld. For. c.f.g¹. | †αντον Σ. AC*PR. rel. Vulg. Cl. b.e.f.g². (h. a.) Syr.Hel. vv. rel. ut vid.

F F

5. το ονομα] om. το Α.
— Ελισαβετ AB*CP REL. Am. a.(alibi) e. (h. a. hic. et verr. 40, 41, 57). | Ελεισαβετ B* semper. | Ελεισαβεθ D. -beth Vulg. Cl. Fuld. (Am. ver. 57). c.f. Syr.Hel. -bel b. (similiter fere habent postea).

6. εναντιον BC*X. | †ενωπιον Σ. AC³ DPR. rel. Orig. iii. 93^b. (c schedis Grabii et Combefisi).
7. η η Ελ. (B)DLXΔ. 33. Latt.(h. a.) Goth. Eth. | †η Ελ. η Σ. ACPR. rel. Syr.Pst.&Hel. Memph. Arm. (Ελεισαβεθ D.) | om. η B. 69. [h. F.]
— ται] om. I.
— ησαν] ante προβεβηκ. D. e.

3. omnia a principio Cl. | 5. uxor illius Cl. | Elisabeth Cl. et infra.

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

I. 9.

A B C D (P) (R).

L X Δ.

1. 33. 69.

E/F(GIH)KMSUV

ΓΔ.

[Frag. Sin.]

8. ἵνα τινας.

¶ F

§ H

¶ P

§ G

¶ R

§ Fr. Sin.

a. Mal. 4 : 5, 6.

17. Ἡλεία.

ἱερατεύειν αὐτὸν ἐν τῇ τάξει τῆς ἔφημερίας αὐτοῦ
 ἔναντι τοῦ θεοῦ,⁹ κατὰ τὸ ἔθος τῆς ιερατείας ἔλαχεν
 τοῦ θυμιάματος¹⁰ εἰσελθὼν εἰς τὸν ναὸν τοῦ κυρίου·
 καὶ πᾶν τὸ πλῆθος¹¹ ἦν τοῦ λαοῦ¹² προσευχόμενον
 ἔξω τῇ ὥρᾳ τοῦ θυμιάματος.¹³ ὡφθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου ἔστως ἐκ δεξιῶν τοῦ θυμιάματος.¹⁴ καὶ ἐταράχθη Ζαχαρίας ἴδων, καὶ
 φόβος ἐπέπεσεν ἐπ' αὐτόν.¹⁵ εἶπεν δὲ πρὸς¹⁶ αὐτὸν
 ὁ ἄγγελος, Μὴ φοβοῦ, Ζαχαρία·¹⁷ διότι εἰσηκούσθη
 ἡ δέσησί σου, καὶ ἡ γυνή σου Ἐλισάβετ¹⁸ γεννήσει
 νιόν σου, καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα¹⁹ αὐτοῦ²⁰ Ἰωάννην·²¹
 καὶ ἔσται χαρά σοι καὶ²² ἀγαλλίασις, καὶ πολλοὶ
 ἐπὶ τῇ²³ γενέσει²⁴ αὐτοῦ χαρίσονται.²⁵ ἔσται γάρ
 μέγας ἐνώπιον [τοῦ] κυρίου· καὶ οὖν καὶ σίκερα οὐ
 μὴ πίγη, καὶ πνεύματος ἀγίου πλησθήσεται ἔτι ἐκ
 κοιλίας μητρὸς αὐτοῦ.²⁶ καὶ πολλοὺς τῶν νιών
 Ἰσραὴλ ἐπιστρέψει ἐπὶ κύριον τὸν θεὸν αὐτῶν·²⁷
 καὶ αὐτὸς προελεύσεται ἐνώπιον αὐτοῦ ἐν πνεύ-
 ματι καὶ δυνάμει Ἡλίου, ἐπιστρέψαι καρδίας πατέ-
 ρων ἐπὶ τέκνων, καὶ ἀπειθεῖς ἐν φρονήσει δικαίων,
 ἐτοιμάσαι κυρίῳ λαὸν κατεσκευασμένον.²⁸ καὶ εἶπεν
 Ζαχαρίας πρὸς τὸν ἄγγελον, Κατὰ τί γνώσομαι
 τοῦτο; ἐγὼ γάρ εἴμι πρεσβύτης, καὶ ἡ γυνή μου

est autem cum sacerdotio fun-
 geretur in ordine vicis suae
 ante deum, ⁹ secundum con-
 suetudinem sacerdotii sorte
 exiit ut incensum poneret in-
 gressus in templum domini;
¹⁰ et omnis multitudo erat po-
 puli orans foris hora incensi.
¹¹ Apparuit autem illi angelus
 domini stans a dextris atris
 incensi: ¹² et Zacharias turbas
 tis est videns, et timor irruit
 super eum, ¹³ Ait autem ad
 illum angelus, Ne timeas, Za-
 charia, quoniam exaudita est
 deprecatio tua, et uxor tua
 Elisabet pariet tibi filium, et
 vocabis nomen eius Iohannem,
¹⁴ et erit gaudium tibi et exultatio,
 et multi in nativitate
 eius gaudebunt: ¹⁵ erit enim
 magnus coram domino; et
 vinum et siera non bibet, et
 spiritu sancto replebitur ad-
 huc ex utero matris suae; ¹⁶ et
 multis filiorum Israel con-
 vertet ad dominum deum ipso-
 rum: ¹⁷ et ipse praecedet ante
 illum in spiritu et virtute He-
 lie, ut convertat corda patrum
 iu filios et incredibiles ad pru-
 dentiam iustorum, parare do-
 mino plebem perfectam. ¹⁸ Et
 dixit Zacharias ad angelum,
 Unde hoc sciām? ego enim
 sum senex, et uxor mea pro-

8. εναντι BDPRSL. rel. | εναντιον ACΔ
 X. 69. FM. | ενωπιον K.

— τοι] om. 1.

— θεον] κυριον 33. e. Aeth. Iren. 185
 cdd. dominum deum cff. | Contra,
 Vulg. b,f,g¹. (h. a.) rel. Iren. 185 cdd.
 et edd.

9. τοι θυμο] το θυμ. C.

— εισελθων] -θειν L.

— κυριον ABCDPR. rel. vv. Iren. 185. |
 θεον C*D Gr.

10. ην τον λαον BC⁹PRLXΔ(33). EF
 Wst. MSUVΓΔ. Am. Ful. For. Goth.
 (G ap. Wst. sed qu. H. cuius specimen
 ad Wst. missum erat.) | ἤτοι λαον ην
 Σ. ACΔ. 1. 69. K. Vulg. Cl. e,f,g².
 Syr.Hel. Memph. Arm. Aeth. [b,c,ff,g³.
 Syr.Pst. b. a.] ||(τον] περ 33.)

— τη ωρᾳ] της ωρας 69.

13. ειπεν δε ABCPRL. rel. Vulg. g⁴. Syr.
 Hel. rel. | καὶ ειπεν D. (b.c)e.(f.)
 [h. a.] Syr.Pst.

— ειπεν δε ABCDR. rel. Orig. i. 220^d. iii.
 570^a. | δε C*

13. αγγελος] aad. domini c,ff,g¹.l. Arm.

— Ζαχαριας R*. ff,g².

— Ελισαβετ Orig. i. 220^d. iii. iv. | -βεθ

D.

— γεννησει Orig. i. iii. | γεννη Δ. | γε-

νησει C. Orig. iv. 112^b.

— νιον σοι ABCR e spat. rel. Goth. Orig.

i. iii. iv. | σοι νιον Δ. Latt. Syr.Pst.&

Hcl. Memph. Arm. Aeth. | om. σοι

D Gr. 1. Theb.Mnt. Orig. Int. Hier.

iii. 936^f.

— καλεσης ΓΔsic. (non Δ.)

— Ιωανην sic B saepissime. D. | δι Ιω-

ανηνην Σ. AC. rel.

14. χαρα σοι ABCR. rel. Latt. rel. | σοι

χαρα D. Goth. Arm. Aeth. Orig. Int.

iii. 936^f.

— επι] εν 69.

— γενεσει ABCDLAEHKMSUVΔ |

‡ γεννησει Σ. X. 1. 33. 69. Gr.

15. μηγας] μηγαρ D*.

— τον BDΔΔ. rel. | om. ACL. 1. 33.

ΓΤf.

— κυριον] θεον 69. F Wst.

15. πληθησετε (i.e. -ται) επι εκ L.

— εκ] εν K*. (corr.* ut vid.) in utero c.l.
 in ventre e.

16. επι Orig. iii. 570^c. 936^f. (e sched. Grab.

et Comb.) | προς 1. U.

17. προελευσεται ABD. rel. Orig. iii.

570^a. iv. 112^{b,c}. | προσελ. CLV. | πο-

ρενεσται F Wst.

— αντον] κυριον Δ. (populo Tert. de

anim. 35).

— Ηλιον AB(^cRl.)CD. rel. Orig. iii. iv.

| Ηλεια B.Bch. Mai(*Rl.) Ηλια L.

— πατερων Hipp. Ant. 46(22). Orig. iv.

112^{b,c}. 132^c. | ανθρωπων 69.

— κυριω] πραιμ. τρι ΑΚ. | Contra, Orig.

iv. 82^b. 112^b.

— κατασκευασμενον LEΓΚΑ.

18. τον αγγελον] αντον C*. ut vid.

(corr?).

— τι] τινος Δ*.

10. populi erat Cl. | 15. siceram Cl. | 17. in-
 credulos Cl.

I. 28.

ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ.

Vulg. a. b. c.

Syr. P. H.

Memph.

Goth. Arm. Eth.

¶ Fr. Sin.

21. ἐν τῷ ναῷ αὐτῷ.

προβεβηκυῖα ἐν ταῖς ἡμέραις αὐτῆς. ¹⁹ καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἄγγελος εἶπεν αὐτῷ, Ἐγώ εἰμι Γαβριὴλ ὁ παρεστηκὼς ἐνώπιον τοῦ θεοῦ, καὶ ἀπεστάλην λαλῆσαι πρὸς σε καὶ εὐαγγελίσασθαί σοι ταῦτα. ²⁰ καὶ ἴδού ἔσῃ σιωπῶν καὶ μὴ δυνάμενος [¶] λαλῆσαι ἄχρι ἷς ἡμέρας γένηται ταῦτα, ἀνθ' ὧν οὐκ ἐπίστευσας τοῖς λόγοις μου, οἵτινες πληρωθήσονται εἰς τὸν καιρὸν αὐτῶν. ²¹ καὶ ἦν ὁ λαὸς προσδοκῶν τὸν Ζαχαρίαν, καὶ ἐθαύμαζον ἐν τῷ χρονίζειν αὐτὸν ἐν τῷ ναῷ. ²² ἐξελθὼν δὲ οὐκ [†] ἐδύνατο [¶] λαλῆσαι αὐτοῖς· καὶ ἐπέγνωσαν ὅτι ὁ προτασίαν ἑώρακεν ἐν τῷ ναῷ· καὶ αὐτὸς ἦν διανεύων αὐτοῖς, καὶ δέμενεν κωφός. ²³ καὶ ἐγένετο ὡς ἐπλήσθησαν αἱ ἡμέραι τῆς λειτουργίας αὐτοῦ, ἀπῆλθεν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ. ²⁴ μετὰ δὲ ταύτας τὰς ἡμέρας συνέλαβεν Ἐλισάβετ ἡ γυνὴ αὐτοῦ, καὶ περιέκρυψεν ἑαυτὴν μῆνας πέντε, λέγουσα ²⁵ ὅτι Οὗτος μοι πεποίκεν [†] κύριος ἐν ἡμέραις αἷς ἐπεῖδεν ἀφελεῖν [†] ὄνειδός μου ἐν ἀνθρώποις.

26. Ναζαρέθ,

3 ²⁶Ἐν δὲ τῷ μηνὶ τῷ ἑκτῷ ἀπεστάλη ὁ ἄγγελος Γαβριὴλ [†] ἀπὸ [¶] τοῦ θεοῦ εἰς πόλιν τῆς Γαλιλαίας, ἥ ὄνομα Ναζαρέτ, ²⁷ πρὸς παρθένον [‡] ἐμνηστευμένην ἀνδρὶ φὸνομα Ιωσήφῳ, ἐξ οἴκου [†] Δαυείδ, καὶ τὸ ὄνομα τῆς παρθένου Μαριάμ. ²⁸ καὶ εἰσελθὼν [ό

18. καὶ ἡ γυνὴ] om. καὶ 1. | *Contra, Orig. iv. 118^a.*
 19. παρεστηκεις *Orig. iv. 132^e.* | παρεστως D.
 — εινωτ. του θεου] ante dominum b.c. ff. g¹. (*Contra, Vulg. a.e.f.*)
 20. ης ημερας *Orig. iv. 118^d.* | ημερας ης D. Latt.
 — πληρωθησονται ABC. rel. | πλησθησονται D. *Orig. iv. 118^d.*
 21. προσδοκων] προσδεχομενος D.
 — εν] επι D.
 — χρονιζειν] χρονιαζειν Λ.
 — αυτον εν τη ναφ ACDX. rel. *Vulg. c.e.f.g¹.* Goth. ut vid. Arm. | εν τη ναφ αυτον BL. (om. αυτον a.b.)
 22. εδυνατο AB* Bch. Rl. Mai. K. | ηδυν. Σ. B* CD. 33. sic rel.
 — αυτοις om. 69.
 — επεγν.] επεγν. Wc. | μοχ ορακεν Δ.
 — διεμενεν] διεμενεν D. Latt. Syr. Pst. & Hel. Memph. | διεμενεν Δ. Wc.
 23. εγενετο] om. Syr. Pst. Eth.

23. επλησθησαν] επληρωθησαν 1. F Wst. (επληθ. Wc.)
 — απηλθ.] praeem. τοτε D.
 24. μετα δε] και μετα D.
 — ταντας τας ημερας] τας ημερας ταντας D. 69. E. Memph. | *Contra, rel.*
 — Ελισαβετ] -θει D. (vid. ver. 5).
 — αυτου] Ζαχαριου Mmg. litt. rubr.
 — ιαντην *Orig. iii. 938^f.* (e sched. G. et C.) | αντην L.
 25. οντος Γsic(Δap. Tf.)
 — κυριος] †praeem. ον Σ. AB. rel. | om. CDL 33.
 — επειδεν ABCL 1s. 33. rel. | εφειδεν ΔΔWc. εφειδεν X. 69.
 — ονειδος] †praeem. το Σ. AB²C. rel. | om. B* Rl. Mai. DL 1.
 — μον] add. απ' ερον Brl. (non habet Mai.)
 26. τω μηνι τω έκτῳ ABC. rel. *Vulg. d.f.g¹.* *Orig. Int. iii. 938^e.* | τω έκτῳ μηνι D Gr. e. Petri. Alex. ap. Routh. iv.
 29. (eodem autem tempore a.b.c.f¹). In ipso autem tempore *Iren. 185.*)

26. δ αγγ.] om. δ 69. *Eus. D.E. 329^b.*
 — απο BL 1^r. 69. Wc. Syr. Pst. Goth. | † ipso Σ. ACD. rel. Syr. Hel. ut vid. Arm. *Eus. D.E.*
 — του θεον *Eus. D.E.* | om. του 69. (domino b.c. ff.)
 — της Γαλιλαιας *Eus. D.E.* | Γαλιλαιαν D.
 — η ονομα Ναζαρ. *Eus. D.E.* | om. D.
 — Ναζαρετ St. 3. Bs. Bch. Mai. L. 33s. KSS. e. | Ναζαρεθ Elz. Bs. Btly. C. 1. 69. EGIIIMUVTA. *Vulg. b.c.f.* Memph. Goth. *Orig. Int. iii. 938^e.* *Eus. D.E.* (h. a.) | Ναζαρεθ ΑΔ.
 27. εμνηστευμενην AB* Rl. Mai. L. | † μεμνηστευμενην Σ. B² CXΔ. rel. *Eus. D.E.* | μεμνησμενην D.
 — ονομα L.
 — οικου] add. και πατριας CF Wst. L. 1. *Eus. D.E.* (vid. cap. ii. 4). | *Contra, rel.* vv. (et Theb.) *Orig. Int. iii. 938^e.*
 28. εισελθων] εισελθων Α* (corr.!) | εισηθειν L.
 — facti sunt Am.

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

I. 29.

A B C D.

L (X) Δ.

1. 33. 69.

E[F]GHKMSUVT

Δ[F^a].

28. om. εἰλογ. στὸν

τὸν γνν.

b Esa. 7:14.

c Esa. 9:6.

d Mic. 4:7.

36. συνειληφνία

¶ X

ἀγγελος] πρὸς αὐτὴν εἶπεν, Χαῖρε, κεχαριτωμένη· ὁ κύριος μετὰ σοῦ, [εὐλογημένη σὺ ἐν γυναιξὶν.]
²⁹ Ἡ δὲ [†] ἐπὶ τῷ λόγῳ [†] διεταράχθη καὶ διελογίζετο ποταπὸς εἴη ὁ ἀσπασμὸς οὗτος.
³⁰ καὶ εἶπεν ὁ ἄγγελος αὐτῇ, Μὴ φοβοῦ, Μαριάμ, ἐνρες γάρ χάριν παρὰ τῷ θεῷ.
³¹ b καὶ ᾧδον συλλήμψῃ ἐν γαστρί,
καὶ τέξῃ νιόν, καὶ καλέσεις τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦν.
³² οὗτος ἔσται μέγας, καὶ νιὸς ὑψίστου κληθήσεται,
c καὶ δώσει αὐτῷ κύριος ὁ θεὸς τὸν θρόνον [†] Δανείδ^o
τοῦ πατρὸς αὐτοῦ,
³³ d καὶ βασιλεύσει ἐπὶ τὸν οἶκον Ἰακὼβ εἰς τοὺς αἰῶνας, καὶ τῆς βασιλείας αὐτοῦ οὐκ ἔσται τέλος.
³⁴ Εἶπεν δὲ Μαριάμ πρὸς τὸν ἄγγελον,
Πῶς ἔσται τοῦτο, ἐπεὶ ἄνδρα οὐ γνώσκω;
³⁵ καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἄγγελος εἶπεν αὐτῇ, Πνεῦμα ἀγίου ἐπελεύσεται ἐπὶ σέ, καὶ δύναμις ὑψίστου ἐπισκιάσει σοι, διὸ καὶ τὸ γεννώμενον ἄγιον κληθήσεται νιὸς θεοῦ.
³⁶ καὶ ᾧδον Ἐλεισάβετ ἡ συγγενής σου, καὶ αὐτὴν [†] συνείληφεν^o νιὸν ἐν [†] γῆρε^o αὐτῆς, καὶ οὗτος μὴν ἔκτος ἔστιν αὐτῇ τῇ καλουμένῃ στείρᾳ,
³⁷ διὸ οὐκ ἀδυνατήσει^o παρὰ [†] τοῦ θεοῦ^o πᾶν βῆμα.

ad eam dixit, Have, gratia plena: dominus tecum: benedicta tu in mulieribus. ²⁹ Quae cum audisset, turbata est in sermone eius, et cogitabat qualis esset ista salutatio. ³⁰ Et ait angelus ei, Ne timeas, Maria: invenisti enim gratiam apud deum. ³¹ Ecce concipes in utero et paries filium, et vocabis nomen eius Iesum: ³² hic erit magnus et filius altissimi vocabitur, et dabit illi dominus [deus] sedem David patris eius, et regnabit in domo Iacob in aeternum, ³³ et regni eius non erit finis. ³⁴ Dixit autem Maria ad angelum, Quomodo fieri istud, quoniam virum non cognosco? ³⁵ Et respondens angelus dixit ei, Spiritus sanctus superveniet in te, et virtus altissimi obumbrabit tibi: ideoque et quod nasceretur sanctum vocabitur filius dei. ³⁶ Et ecce Elisabet cognata tua, et ipsa concepit filium in senecta sua, et hic mensis est sextus illi quae vocatur sterelis: ³⁷ quia non erit impossibile apud deum omne verbum. ³⁸ Dixit autem

34. Μαριάμ ABC^oD^o. rel. | Μαριά C^out vid. D^o. c.

— πως... γυνωσκω] ecce ancilla Domini, contingat mihi secundum verbum tuum b. (et om. in ver. 38).

— τοντο] το L. || praem. moi B.mg.(Bch.) man.rec.(Mat.)C^oX. 1. 33. 69. FWst.M. Syr.Hcl. (Memph.) Theb. Arm. (Æth.) Greg. Thaum. 4^a. | non habent AB^oC^oD. rel. Latt. m. Syr.Pst. Goth. Eus. D.E. 329^a.

35. δ αποκρ. δ V.

— επι σε] om. Syr.Pst.

— διο Petr. Alex. Routh. iv. 47. | διοτι A^out vid.

— γεννώμενον Hipp. Phil.vi. 35. (194). Greg. Thaum. 4^a. Petr. Alex. Eus. D.E. 329^a. | γεννώμενον ΧΓΤ^o. γεννοῦ. 33. 69. U. ||add. επ σου C^o 1. 33. Vulg. Cl. a.c.e.m(bis). Syr.Pst. Arm.ed. Æth. Iren. 216. Hipp. Phil.vi. 35 (194). Grey. Thaum. 4^a. Tert. adv. Prax. 26. Cypr. 289. (praem. Hil. 138^a) in te Syr.Pst.MS. Tert. adv. Marc. iv. 7. | non habent ABC^oD. rel. Am. b.f.f.g^oL. Syr.Hcl. Syr.Hier. Memph. Goth. Arm.MSS. Orig. Int. iii. 951^b. Dion.

32. om. deus Am. | 35. nasceretur ex te Cl. | 36. senectute Cl. | sextus est Cl.

I. 48.

ΚΑΤΑ ΛΟΥΚΑΝ.

Vulg. a. b. c.

Syr. P. H.

Memph.

Goth. Arm. Eth.

δὲ Μαριάμ, Ἰδοὺ ἡ δούλη κυρίου γένοιτο μοι κατὰ τὸ ρῆμά σου. Καὶ ἀπήλθεν ἀπ’ αὐτῆς ὁ ἄγγελος.

⁴ ³⁹ Αναστᾶσα δὲ Μαριὰμ ἐν ταῖς ἡμέραις ταύταις ἐπορεύθη εἰς τὴν ὄρεων μετὰ σπουδῆς εἰς πόλιν Ἰούδα, ⁴⁰ καὶ εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶκον Ζαχαρίου καὶ ἡσπάσασθα τὴν Ἐλισάβετ. ⁴¹ καὶ ἐγένετο ὡς ἔκουσεν [†] τὸν [§] ἀσπασμὸν τῆς Μαρίας ἡ Ἐλισάβετ, ⁴² ἐσκίρτησεν τὸ βρέφος ἐν τῇ κοιλίᾳ αὐτῆς καὶ ἐπλήσθη πνεῦματος ἀγίου ἡ Ἐλισάβετ, ⁴³ καὶ ἀνεφώνησεν [‡] κραυγῇ μεγάλῃ, καὶ ἐπεν, Εὐλογημένη σὺ ἐν γυναιξίν, καὶ [§] εὐλογημένος ὁ καρπὸς τῆς κοιλίας σου. [¶] ⁴⁴ καὶ πόθεν μοι τοῦτο ἵνα ἔλθῃ ἡ μῆτηρ τοῦ κυρίου μου πρός με; ⁴⁵ ἰδοὺ γὰρ ὡς ἐγένετο ἡ φωνὴ τοῦ ἀσπασμοῦ σου εἰς τὰ ὡτά μου, ἐσκίρτησεν ἐν ἀγαλλίᾳ τὸ βρέφος ἐν τῇ κοιλίᾳ μου. ⁴⁶ καὶ μακαρία ἡ πιστεύσασα ὅτι ἔσται τελείωσις τοῖς λελαλμένοις αὐτῇ παρὰ κυρίου.

⁵ ⁴⁶ Καὶ ἐπεν Μαριάμ, Μεγαλύνει ἡ ψυχή μου τὸν κύριον, ⁴⁷ καὶ ἡγαλλίασεν τὸ πνεῦμά μου ἐπὶ τῷ θεῷ τῷ σωτῆρί μου, ⁴⁸ ὅτι ἐπέβλεψεν ἐπὶ τὴν ταπεί-

Maria, Ecce ancilla domini, fiat mihi secundum verbum tuum. Et discessit ab illa angelus.

³⁹ Exsurgens autem Maria in diebus illis abiit in montana cum festinatione in civitatem Iuda, ⁴⁰ et intravit in domum Zacharias et salutavit Elisabet. ⁴¹ Et factum est ut auditiv salutationem Marie Elisabet, exultavit infans in utero eius, et repleta est spiritu sancto Elisabet, ⁴² et exclamavit voce magna et dixit, Benedicta tu inter mulieres, et benedictus fructus ventris tui. ⁴³ Et unde hoc mihi ut veniat mater domini mei ad me? ⁴⁴ Ecce enim ut facta est vox salutationis tuae in antribus meis, exultavit in gudio infans in utero meo. ⁴⁵ Et beata quae creditit quoniam perficiuntur ea quae dicta sunt ei a domino.

⁴⁶ Et ait Maria, Magnificat anima mea dominum, ⁴⁷ et exultavit spiritus meus in deo salutari meo, ⁴⁸ quia respexit humilitatem ancillæ suæ: ecce

§ F

42. φωνὴ μεγ.

§ F^a.¶ F^a.

Alex. ap. Griesbach. Petr. Alex. Eus. D.E. Tert. adv. Prax. 27.

36. Ελισάβετ Eus. ad Steph. i. 225. | -βεθ D. 69*. Orig. Int. iv. 466^a.— συγγενεῖς BC^aXsic. rel. Eus. ad Steph. i. 221. | συγγενεῖς AC^aDLΔ. 69. EGH. Syr.Hel.mg. Graecē. (vid. Eus. ad Steph. i. 225. συγγενῆς.)

— συνετληφεν BL. Latt. Memph. | † συνειδιόφνια τ. ACD. rel. Syr.Pst.& Hel.

— γηραι AB.Bch.Mai.CDLXΔ. 1. 33. 69. EF Wstl.GHKMUUVΓA. | † γηραι τ. Ss.

— μην] praem. b. A.

— εστιν] om. 1.

37. αδνναγησ 69.

— παρα τον θεον B(D)L. (post ρῆμα D. Eth.) | † παρα τῷ θεῷ τ. AC. rel. | παρα θεῷ 1.

38. om. ad ῥῆμα σον b (vid. in ver. 34). e.

— ειπεν δὲ] και ειπεν D. a. (Contra, Latt. rel. Syr.Hel. [Syr.Pst.])

— Μαριαμ ΑΒC^a. rel. | Μαρια C^aD.— απηλθεν] απεση D. discessit Vulg. b.c.eff.g¹. (hiat a.)

39. αναστᾶσα δε Eus. ad Steph. i. 225. | και αναστᾶσα ΑΚ.

— Μαριαμ Eus. ad Steph. | Μαρια D.

— εν ταις ἡμέραις τανταις] om. Γ.

39. τανταις Eus. ad Steph. | εκεναις H* ut vid. Memph.

— Ιονδα Eus. ad Steph. | Juda Vulg. Judea b.(f).l. (h. a.) Eth. Judaea c.f. Orig. Int. iii. 939^a.

40. Ελισάβετ Orig. Int. iii. Eus. ad Steph. i. 225. | -βεθ D.

41. τον αστη της Μαρ. ἡ Ελισ. BC^aDL.1. 69. Latt. (h. a.) Arm. Orig. iv. 148^c. Orig. Int. iii. 939^a. Cypr. 288. | † ἡ Ελισ. τ. αστ. τ. Μαρ. τ. AC^a. 33. F

Ksic. rel. Syr.Pst.&Hel. Memph. Goth. Eth. (Ελισαβέθ D.)

— το βρέφος εν τῃ κοιλιᾳ αυτης Orig. iv. 149^a. Orig. Int. iii. (εν αυτῃ Theb. Mητ.) | εν τῃ κοιλιᾳ της Ελισαβέτ το βρέφος αυτης D. || βρέφος] add. prae gaudio Syr.Hel.mg. in gaudio Orig. Int. iii. 942^a.

— Ελισαβέτ ad fin.] -βεθ D. | Contra, Orig. iv.

42. ανεφωνησεν ABD. rel. Orig. iv. 149^{a,b}. | ανεβοησην C. 33. 69. F.— κραυγῃ BL. Orig. iv. 149^{a,b,bis}. | † φωνῃ τ. ACD. rel. Latt. Syr.Pst.& Hel. (Orig. iv. 149^b. in interpr.)

— σν] σοι LH.

43. ελθῃ ελθον Δ.

— προς με] προς εμε B.

44. εν αγαλλιασει] post τῳ βρέφος AC^aΔEGHJKMSUVTΔ, e. Syr.Hel. Memph. Goth. (Eth.) Orig. iii. 938^c. (esch. G. et C.) Orig. Int. iii. 944^a. | Contra, B C^aDL. 1. 69. Es. Vulg. b.c.f/g¹. (h. a.) Arm. Orig. ii. 496^c. iv. 82^a. Orig. Int. iii. 936^c. 940^a. | om. 33. | ante εσκιρτησεν Syr.Pst. (add. μιγαληρ.)

44. κοιλια μον] καρδια μοι Μ.

45. και Orig. iii. 980^{a,l}. | om. C*ut vid.(hab. C^a)— μακαρια] add. es a.c.e.f. | Contra, Vulg. b.f/g^{1,2}. Orig. iii. (add. tu Eth.)— αντη Αμ. Orig. iii. | tibi Vulg. Cl. a. b.c.eff.g^{1,2}.l. Eth.46. Μαρια ABC^a. rel. Memph. | Μαρια C^aD. Vulg. c.e.f.g. “glorificat Dominum Maria” Tert. de An. 26. | Elisabet a.(b).l. Iren. 235. “Invenitur beata Maria sicut in aliquantis exemplaribus reperimus prophetare. Non enim ignoramus quod secundum alios codices, et haec verba Elizabeth vaticinetur.” Orig. iii. 940^a. interprete Hieronymo.47. επι Orig. iii. 941^f. (esch. Gr. et Comb.) | εν D.48. επεβλεψεν] add. κυριος D. | Contra, Orig. Int. iii. 941^a.

45. quae credidisti Cl. | sunt tibi et.

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

I. 49.

A B C D [R].
L. Δ.
1. 33. 69.
(E) F G H K M S U V
Δ.

νωσιν τῆς δούλης αὐτοῦ. ἵδον γὰρ ἀπὸ τοῦ νῦν μακαριοῦσίν με πᾶσαι αἱ γενεαῖ· ⁴⁹ ὅτι ἐποίησέν μοι "μεγάλα" ὁ δυνατός· καὶ ἄγιον τὸ ὄνομα αὐτοῦ ⁵⁰ καὶ τὸ ἔλεος αὐτοῦ εἰς γενεὰς [†] καὶ γενεὰς" τοῖς φοβουμένοις αὐτόν· ⁵¹ ἐποίησεν κράτος ἐν βραχίονι αὐτοῦ, διεσκόρπισεν ὑπερφάνους διανοίᾳ καρδίας αὐτῶν· ⁵² καθεῖλεν δυνάστας ἀπὸ θρόνων, καὶ ὑψώσεν ταπεινούς· ⁵³ πεινῶντας ἐνέπλησεν ἀγαθῶν, καὶ πλουτοῦντας ἔξαπέστειλεν κενούς· ⁵⁴ ἀντελάβετο Ἰσραὴλ παιδὸς αὐτοῦ, μνησθῆναι ἐλέους, ⁵⁵ καθὼς ἐλάλησεν πρὸς τοὺς πατέρας ἡμῶν, τῷ Ἀβραὰμ καὶ τῷ σπέρματι αὐτοῦ εἰς τὸν αἰῶνα. ⁵⁶ "Εμεινεν δὲ Μαριὰμ σὺν αὐτῇ [†] ὡς" μῆνας τρεῖς· καὶ ὑπέστρεψεν εἰς τὸν οἶκον αὐτῆς.

6 ⁵⁷ Τῇ δὲ Ἐλισάβετ ἐπλήσθη ὁ χρόνος τοῦ τεκεῦν αὐτήν, καὶ ἐγένενησεν νιόν. ⁵⁸ καὶ ἥκουσαν οἱ περιοικοι καὶ οἱ συγγενεῖς αὐτῆς ὅτι ἐμεγάλυνεν κύριος τὸ ἔλεος αὐτοῦ μετ' αὐτῆς, καὶ συνέχαιρον αὐτῆς. ⁵⁹ καὶ ἐγένετο ἐν [†] τῇ ἡμέρᾳ τῇ ὡρῷ τῷ ὠρῷ τοῦ περιτεμένην τὸ παιδίον· καὶ ἐκάλουν αὐτὸν ἐπὶ τῷ ὄνόματι τοῦ πατρὸς αὐτοῦ Ζαχαρίαν. ⁶⁰ καὶ ἀποκριθεῖσα ἡ μήτηρ αὐτοῦ εἶπεν, Οὐχί, ἀλλὰ κληθήσεται [†] Ιωάννης". ⁶¹ καὶ [†] εἰπαν" πρὸς αὐτὴν ὅτι Οὐδέποτε ἐστιν [†] ἐκ τῆς συγγενείας" σου ὃς καλεῖται τῷ ὄνόματι τούτῳ.

enim ex hoc beatam me dicent omnes generationes, ⁴⁹ quia fecit mihi magna qui potens est, et sanctum nomen eius, ⁵⁰ et misericordia eius in progenies et progenies timentibus eum. ⁵¹ Fecit potentiam in brachio suo, dispersit superbos mente cordis sui: ⁵² depositus potentes de sede et exaltavit humiles, ⁵³ esurientes implevit bonis, et divites dimisit inanes. ⁵⁴ Suscepit Israel puerum suum memorari misericordiae, ⁵⁵ sic ut locutus est ad patres nostros, Abraham et semini eius in saecula. ⁵⁶ Mansit autem Maria cum illa quasi mensibus tribus, et reversa est in domum suam.

⁵⁷ Elisabeth autem impletam est tempus pariendi, et peperit filium. ⁵⁸ Et audierunt vicini et cognati eius quia magnificata vit dominus misericordiam suam cum illa, et congratulabantur ei. ⁵⁹ Et factum est in die octavo venerunt circumcidere puerum, et vocant eum nomine patris eius Zachariam. ⁶⁰ Et respondens mater eius dixit, Nequaquam, sed vocabitur Iohannes. ⁶¹ Et dixerunt ad illam quia nemo est in cognatione tua qui vocetur hoc

48. αὐτον] αὐτῆς Δ*. corr.!

49. μεγαλα BD*L. | ♫μεγαλεια Σ. A. rel. (-λια CD*. 33. E*KU*Tf.G. Psalt. Turic.) ||add. ὁ θεος D. | Contra, Orig. Int. iii. 941e.

50. εις γενεας A (in Lucea textu) BCDL. 33. rel. Am. Fuld. a.b.c.e. Syr.Pst.& Hel. Memph. Goth. Arm. Orig. Int. iii. 941e. | εις γενεαν 1. 69. FM. Psalt. Turic. f,f,(g,l). | ♫γενεν Σ. A(hic) C*D. 33. rel. a.b.c. Syr.Hel. Goth. (Æth.) Orig. Int. iii. | εις γενεαν A in fine Psalterii. Vulg.Cl. Theb. Mnt.

— καὶ γενεας BC*L. Am. Fuld. Syr.Pst. Memph. | καὶ γενεαν 1. 69. FM. Psalt. Turic. f,f,(g,l). | ♫γενεν Σ. A(hic) C*D. 33. rel. a.b.c. Syr.Hel. Goth. (Æth.) Orig. Int. iii. | εις γενεαν A in fine Psalt. (Vulg.Cl.) Theb.Mnt. (Arm.) | καὶ γενεων Α. (om. e.) διανοιη] διανοιας EFH.

55. εις τον αιωνα A(hic)BDL. 33. rel. Iren. 185. | έιως αιωνος A (in Psalt.) C. 1. 69. FMS. Psalt. Turic.

56. Μαριαμ] Μαρια D. — ὡς BL. 1. | ♫ώσει Σ. AC. rel. ||om.

D. 69. a.b.e,f,g¹.l. Memph.MS. Theb. Mut. Orig. Int. 942e. | Contra, Vulg. c.f. Memph.edd.et MSS. rel.

57. τη Orig. iii. 942f. (e sch. G. et C.) | της 69.

— χρονος] add. και 69. | Contra, Orig. iii.

58. οι συγγ.] om. οι D.

— αυτην:] om. L. (αυτον 69*. corr.).

— αυτη] αυτης 69.

59. εγενετο] add. δε Γ. Memph.

— εν] om. DL.

— τη ἡμερα τη ὡρῃ ογδοη BCDL. 33. 69.

(Latt.) Arm. | ♫τη ογδ. ήμ. Σ. A. rel. a.(ut vid).

— ηθαν D*.

— εκαλονη] ελαλονη 1.

— Ζαχαριαν] -ρια Γ.

60. κληθησεται] κλησεται L. ||add. το ονομα αυτον C*D. Memph.MS.&W. | Contra, ABC²L. rel. Memph.Schw.& MSS. Theb.Mnt. rel.

61. ειπαν DLΔ. 1. | ♫ειπον Σ. ABC. rel.

— οτη] om. 1. a.b.c.c,f,g¹.l. (Contra, Vulg. f,g)

61. ει της συγγενειας ABC*Δ. 33. Α. Memph. Άθη. | ♫ει τη συγγενεια Σ. C(D) rel. Latt. (om. f*) Syrr.Pst. &Hel. Goth. Arm. (ει τι συγγενεια D.)

— τη ονοματι τοντω] το ονομα τοντο D.

62. το τι αν] ο τι ο αν Σ.

— θελει V.

— αυτο BD. 33. 69. FG. | ♫αυτον Σ. ACL. rel. Latt.

63. πινακιδον ABC²L. rel. Orig. iv. 118e. | πινακιδα C* ut vid. D. (ΠΙΝΑΚΙΔΗ) vid. Orig. iii. 570^b.

— λεγων Orig. iv. | om. D. e.

— εταιν] εται C. 1. U. Syr.Hel.mg. Orig. iv. 86a. | Contra, ABD. rel. vv. Orig iv. 118e.

— ονομα] ♫πραιμ. το Σ. AB*CD. rel. | om. το B*MaiL. Orig. iv. bis.

— αυτον] αυτη L. Orig. iv. 86a. (Contra, 118e.)

— και εθαυμ. παντ.] praem. και παρα-

50. a progenies in progenies Cl. | 54. recordatus misericordiae suas Cl. | 59. vocabant Cl. patris sui Cl.

I. 75.

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

Vulg. a. b. c.

Syr. P. H.

Memph.

Goth. Arm. Eth.

63. πινακίδα

66. ἀκούοντες

§ R
¶ E *

62 ἐνένευον δὲ τῷ πατρὶ αὐτοῦ τὸ τί ἀν θέλοι καλεῖσθαι † αὐτό". 63 καὶ αἰτήσας πινακίδιον ἔγραψεν λέγων, † Ιωάνης" ἐστὶν † ὄνομα αὐτοῦ· καὶ ἔθαύμασαν πάντες. 64 ἀνεῳχθῇ δὲ τὸ στόμα αὐτοῦ παραχρῆμα καὶ ἡ γλώσσα αὐτοῦ, καὶ ἐλάλει εὐλογῶν τὸν θεόν. 65 καὶ ἐγένετο ἐπὶ πάντας φόβος τοὺς περιοκούντας αὐτούς· καὶ ἐν ὅλῃ τῇ ὁρευνῇ τῆς Ἰουδαίας διελαλεῖτο πάντα τὰ ρήματα ταῦτα, 66 καὶ ἔθεντο πάντες οἱ ἀκούσαντες ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτῶν λέγοντες, Τί ἄρα τὸ παιδίον τοῦτο ἔσται; καὶ *γάρ" χεὶρ κυρίου ἦν μετ' αὐτοῦ.

7 Ὅτι Ζαχαρίας ὁ πατὴρ αὐτοῦ ἐπλήσθη πνεύματος ἀγίου καὶ † ἐπροφήτευσεν" λέγων, 68 Εὐλογητὸς κύριος ὁ θεὸς τοῦ Ἰσραὴλ, ὅτι ἐπεσκέψατο καὶ ἐποίησεν λύτρωσιν τῷ λαῷ αὐτοῦ, 69 καὶ ἡγειρεν § κέρας σωτηρίας ἡμῖν[¶] ἐν † οἴκῳ † Δανειδ[¶] † παιδὸς αὐτοῦ, 70 καθὼς ἐλάλησεν διὰ στόματος τῶν ἀγίων † ἀπ' αἰώνος προφητῶν αὐτοῦ, 71 σωτηρίαν ἐξ ἔχθρῶν ἡμῶν καὶ ἐκ χειρὸς πάντων τῶν μισούντων ἡμᾶς, 72 ποιῆσαι ἔλεος μετὰ τῶν πατέρων ἡμῶν, καὶ μνησθῆναι διαθήκης ἀγίας αὐτοῦ, 73 ὅρκον δὲ ὡμοσεῖν πρὸς Ἀβραὰμ τὸν πατέρα ἡμῶν, τοῦ δοῦναι ἡμῖν 74. ἰχθρῶν[ἡμῶν] 74 ἀφόβως ἐκ χειρὸς † ἔχθρῶν † ρύσθεντας λατρεύειν αὐτῷ 75 ἐν ὄσιότητι καὶ δικαιοσύνῃ ἐνώπιον αὐτοῦ

χρηματα ἀλνθη ἡ γλωσσα αυτον D. a.b.g.
| Contra, rel. Vulg. c.e.f.f. Orig. iv. 118e.

64. ανεῳχθῇ εἰ] add. και F.

— παραχρημα και ἡ γλωσσα αυτον AB (C). rel. Vulg. (c.)e.f.f. Goth. rel. Orig. iv. 118e. | om. D. a.b.g.l. || om. αυτον C*(add. C²). e. | παραχρ. και ελνθη ὁ δεσμος της γλωσσης αυτον 1.

65. και εγενετο] εγενετο δε ΑΚ.

— επ παντας φοβος ABC. rel. a. rel. Orig. iv. 114a. | φοβος μεγας επι παντας D. b.c. | timor super omnes Vulg. e.f.l. Syrr.Pst.&Hcl. Arm. (add. audi-entes haec Arm.)

— αυτον Orig. iv. | αυτον D. Goth.

— παντα Orig. iv. 114b. 115b. | om. L. Syr.Pst. Eth.

66. ακουσαντες ABL. rel. | ακουντες CD Gr. Memph.MS. Goth. Arm. (om. e.)

— τη καρδια ABC. rel. vv. | ταις καρδιαις DL. e. Arm.ap.Gb.

— αντων] ειντων B (teste Vercellionio in supplendis.)

— και γαρ BC*DL. (Latt.) Syr.Hcl.mg.

Memph. Goth. Eth. | *om. γαρ τ. AC**. rel. e. Syrr.Pst.&Hcl.txt. Arm. 66. ην] om. D. l. | ante χειρ 1.

— μετ' αυτων] μετ' αυτων 69*. (corr. mg.².)

67. επροφητευσεν AB* Mai CL. 1. 33. (επροφητ. Α.) | † προεφητ. τ. B². rel. Eus. in Ps. 570^c. (προφητ. B' qu. Tf. Wc.) | ειπεν D.

— λεγων] om. D. | Contra, Orig. Int. iii. 943a. Eus. in Ps.

68. κυριος Vulg. Cl. e.f. Iren. 186. Orig. Int. iii. 943a. Eus. D.E. 353^b. | om. Am. Fuld. a.b.e.f.f.g.l. Eus. in Ps. 570^c.

— επισκεψατο A. (add. nos Arm.)

69. οικῳ] † praem. τῳ τ. AR. Psalt. Turic. rel. | om. B.Chr. Mai.DL. 1. 33. 69. Orig. iii. | praem. παντων των K. || † add. ημων τ. ACDR. Ps.Tur. rel. (Latt.) Syrr.Pst.&Hcl. Memph. Goth. Arm.Usc. Eth. Orig. iii. | om. BL. 1. 69. e. Arm.Zoh. Iren. 186. Orig. Int. iii. 943a.c.

— λατρ. αντφ....τ. ημερ. ημων ver. 75] om. G.

66. Quis, putas Cl. | 67. repletus Cl. | 68. dominus deus Cl. | plebis Cl. | 71. oderunt nos Cl.

nomine. 62 Inueniebat autem patri eius quem vellet vocari cum. 63 Et postulans pugilarem scriptis dicens, Iohannes est nomen eius. Et mirati sunt universi. 64 Apertum est autem illico os eius et lingua eius, et loquebatur benedicens deum. 65 Et factus est timor super omnes vicinos eorum, et super omnia montana Iudeae divulgabantur omnia verba haece, 66 et posuerunt omnes qui audierant in corde suo, dicentes, Quid putas puer iste erit? Etenim manus domini erat cum illo.

67 Et Zacharias pater eius impletus est spiritu sancto et prophetauit dicens, 68 Benedictus deus Israhel, quia visitavit et fecit redemtionem plebi suae, 69 et erexit cornu salutis nobis in domo David pueri sui, 70 sicut locutus est per os sanctorum rum qui a saeculo sunt prophetarum eius, 71 salutem ex inimicis nostris et de manu omnium qui nos oderunt, 72 ad faciendum misericordiam cum patribus nostris et memorari testamenti sui sancti, 73 insurrandum quod iuravit ad Abram habem patrem nostrum, daturum se nobis 74 ut siue timore de manu inimicorum nostrorum liberati serviamus illi 75 in sanctitate et iustitia coram

Cambridge University Press

978-1-108-00713-9 - The Greek New Testament, Volume 2: Luke-John

Edited by Samuel Prideaux Tregelles

Excerpt

[More information](#)

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

I. 76.

A B (C) D [P] (R). πάσας τὰς ἡμέρας [†] ἡμῶν. ⁷⁶ καὶ σὺ ^{* δὲ} παιδίον, ⁷⁶ ipso omnibus diebus nostris.
 L Δ. προφήτης ὑψίστου κληθήσῃ. προπορεύσῃ γὰρ πρὸ ⁷⁶ Et tu puer propheta altissimi vocaberis: praeibis enim ante faciem domini parare vias eius, ⁷⁷ ad dandam scientiam salutis plebi eius in remissionem peccatorum eorum ⁷⁸ per viscerā misericordiae dei nostri, in quibus visitavit nos oriens ex alto, ⁷⁹ inluminare his qui in tenebris et in umbra mortis sedent, ad dirigendos pedes nostros in viam pacis.
[E] (P) G H K M S U V T ^{1. 33. 69.} ^{Δ.} προσώπου κυρίου ἔτοιμάσαι ὄδοντας αὐτοῦ, ⁷⁷ τοῦ δού- ⁷⁶ Puer autem crescebat et confortabatur spiritu, et erat in desertis usque in diem ostensionis suae ad Israhel.
 75. πάσαις ταῖς ἡ-
μέραις
 77. ἀμαρτ. ἡμῶν,
 78. ἐπισκέψεται.

πναι γνῶσιν σωτηρίας τῷ λαῷ αὐτοῦ ἐν ἀφέσει ἀμαρ-
 τιῶν αὐτῶν, ⁷⁸ διὰ σπλάγχνα ἐλέους θεοῦ ἡμῶν, ἐν
 οἷς ἐπεσκέψατο ἡμᾶς ἀνατολὴ ἐξ ὑψους, ⁷⁹ ἐπιφάναι
 τοῖς ἐν σκότει καὶ σκιᾷ θανάτου καθημένοις, τοῦ
 κατευθύναι τοὺς πόδας ἡμῶν εἰς ὄδον εἰρήνης. ⁸⁰ Τὸ
 δὲ παιδίον τοῦξανεν καὶ ἐκραταιοῦτο πνεύματι, καὶ ἦν
 ἐν ταῖς ἠρήμοις ἔως ἡμέρας ἀναδείξεως αὐτοῦ πρὸς
 τὸν Ἰσραὴλ.

II. A'

8 ¹ Ἐγένετο δὲ ἐν ταῖς ἡμέραις ἑκείναις, ἐξῆλθεν
 δόγμα παρὰ Καίσαρος Αὐγούστου, ἀπογράφεσθαι
 πᾶσαν τὴν οἰκουμένην. ² αὕτη [†] ἀπογραφὴ πρώτη
 ἐγένετο ἡγεμονεύοντος τῆς Συρίας Κυρηνίου. ³ καὶ
 ἐπορεύοντο πάντες ἀπογράφεσθαι, ἕκαστος εἰς τὴν
 πόλιν. ⁴ ἀνέβη δὲ καὶ Ἰωσὴφ ἀπὸ τῆς
 Γαλιλαίας [¶] ἐκ πόλεως Ναζαρέτ εἰς τὴν Ἰουδαίαν,
 εἰς πόλιν [‡] Δαυεὶδ [¶] οὗτος καλεῖται Βηθλέεμ, διὰ τὸ εἶναι

¹ Factum est autem in diebus illis exiit edictum a Cæsare Augusto ut describeretur universus orbis: ² haec descriptio prima facta est praeside Syriae Cyrino: ³ et ibant omnes ut proflerentur singuli in suam civitatem. ⁴ Ascendit autem et Ioseph a Galilaea de civitate Nazareth in Iudeam civitatem David quae vocatur Bethlehem, eo quod esset de

75. πασας τας ημερας ACDR. Psalt.Tur. rel. a. Iren. 186. (πασας ημερας Orig. iii. 943^c) | πασαις ταις ημεραις BL. (Latt.)

— ημων] [†]praem. της ζωης [‡]. 1. 69. [E]HMSGA. Arm. Orig. iii. 943^f. | om. A. h. l. et in fin. psalt. BCDRLA. 33. F KUVWc. Ps.Tur. Latt. Syrr.Pst.&Hcl. Memph. Goth. ΜΕθ. Iren. 186. Orig. Int. iii. 943^c.

76. σν δε A in fin. Ps.BCDRL. 33. Memph. | *om. δε [‡]. A hic. Ps.Tur. rel. Latt. Syrr.Pst.&Hcl. Goth. Arm. ΜΕθ. Iren. 186. Orig. iv. 117^a. Orig. Int. iii. 943^c.

— κληθησι, προτορευσοι Γ. — προ προσωπου ACDR. Ps.Tur. rel. Iren. 186. Orig. iii. 943^c. (esched. Gr. et Comb.) | ενωπιον B. Orig. iv.

77. αντων BDLA. 33. 69. rel. Latt. Syrr. Pst.&Hcl. Memph.Schw. Goth. Arm. edd. ΜΕθ. Iren. 186. | ημων Α(hic et in fin. Psalt.)CRsic. 1. MU. Ps.Tur. Theb. Arm.MSS. meorum *Fuld.** *g²*. (i. e. "m" ad fin. voc. "remissionem" bis scr.) om. Tol. Memph.W.

78. δια σπλ. ελ. θεον ημων] om. F. (σπλαγχνα RKTf. σπλαγχνα LG* Tf.)

— επισκεψατο ACDR. Ps.Tur. rel. Latt. Syr.Hel. Arm.Usc. ΜΕθ. Iren. 185. 313.

| επισκεψεται B.Bch.Blo.Mai. Goth. Arm.Zoh. (fut. Syr.Pst. Memph.) επεσκεψαται B.Btly. επεσκεψαιται L sic. (seq. ημας ηλιος Arm.)

78,79.ανατολη εξ υψους επεφαναι L. (conspexit nos Oriens ex alto et apparetur his qui in tenebris et umbra mortis sedebant et direxit pedes nostros in viam pacis. Iren. 185.)

79. επεφαναι] add. φως D.

— κατενθυσαι A.

80. ημανεν] ηνχανετο D*.

— τοις ερημη. V.

1. δε Eus. D.E. 341^b. | om. A.

— Αγυοντον] Αγουστον C*Δ. Goth. || add. τον L. 33. Eus. D.E. | Contra, Eus. in Ps. 542^e, 543^c. (a Caesare rege ΜΕθ.)

— απογραφεσθαι Eus. in Ps. 542^e, 543^c. | απογραφασθαι 1. 69. Eus. D.E. (om. ad απογραφεσθαι ver. 3. e.)

2. απογραφη] [†]praem. η [‡]. ACR. rel. Memph. Theb. Eus. in Ps. 542^e, 543^c. (ἀπογραφῆς οὐσης ἵν τῷ Ιουδαίᾳ τότε πρώτης ἐπὶ Κυρηνίου Just. Tr. 78.) | om. BD. Eus. D.E. 341^b. cod. et ed.

— εγενετο] ante απογρ. πρωτη D. Orig. Int. iii. 945^c. | Contra, Eus. D.E. in Ps. 542^e, 543^c. (om. b.[a.])

2. ἡγεμονευοντος Eus. D.E. | ἡγεμονον οντος Δ. | ἡγεμονευσαντος Eus. in Ps. 543^c. | (quae facta est sub etc. Orig. Int. iii. 944^d). | mox της Συριας om. Syr.Hier.*

— Κυρηνον CDR. 1. 33. rel. Just. Tr. 78. Ap. i. 34. 46. Eus. D.E. in Ps. | Κηρυνιον Α. (Κυρινιον 69. Κηρηνιον V.) | Κυρινον B.Bch.(^{*}Mai). Latt. Orig. Int. (Κυριν. B². Mai.) | Κυρηνας Syr. Hcl.mg. Graecē. KYPINOC Theb. Mnt. KYPINNEOC Memph.

3. ιαντον BDL. Eus. D.E. 341^d. | ιαναν [‡]. ACR. rel. Syr.Hcl.mg. Graece.

— πολιν ABCR. rel. Eus. D.E. | χωραν C*. | πατριδα D.

4. της Γα.] om. της Δ.

— Ναζαρε St. 3. Bs.Bch.Mai.L. 33s.[E] KSS. a.e. Just. Tr. 78. | Ναζαρεθ Elz. Bs.Btly.D. 1. 69. FGHMUVTA. Vulg. b.c.(f.) Memph. Goth. Eus. D.E. 341^d. ad Steph. i. 226. | Ναζαραθ ΑΔ.

— την Ιουδαν Eus. D.E. ad Steph. | γην Ιουδα D. (a.)e.

— εις 2^o] om. Δ.

— δια το ειναι....κ. πατρ. Δα.] post εν-

80. in deserto Δμ.
 2. a præside Cl. | 4. in civitatem Cl.

II. 14.

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

Vulg. a. b. c.

Syr. P. H.

Memph.

Goth. Arm. Εθ.

§ E*

¶ C

Matt. 2:1.

αὐτὸν ὁ ὥκον καὶ πατριᾶς † Δανεῖδ", ⁵ ἀπογράψα-
σθαι σὺν Μαριὰμ τῇ † ἐμνηστευμένῃ" ¶ αὐτῷ † οὐ-
σή ση ἐγκύω. ⁶ ἐγένετο δὲ ἐν τῷ εἶναι αὐτοὺς ἑκέν,
ἐπλήσθησαν αἱ ἡμέραι τοῦ τεκεῖν αὐτήν, ⁷ καὶ ἔτεκεν
τὸν νίὸν αὐτῆς τὸν πρωτότοκον, καὶ ἐσπαργάνωσεν
αὐτὸν καὶ ἀνέκλινεν αὐτὸν ἐν † φάτνῃ, διότι οὐκ ἦν
αὐτοῖς τόπος ἐν τῷ καταλύματι.

B' — γ

⁸ Καὶ ποιμένες ἥσαν ἐν τῇ χώρᾳ τῇ αὐτῇ ἀγραν-
λοῦντες καὶ φυλάσσοντες φυλακὰς τῆς νυκτὸς ἐπὶ
τὴν ποιμνὴν αὐτῶν. ⁹ καὶ [ἰδοὺ] ἄγγελος κυρίου
ἐπέστη αὐτοῖς, καὶ δόξα κυρίου περιέλαμψεν αὐτούς·
καὶ ἐφοβήθησαν φόβον μέγαν. ¹⁰ καὶ εἶπεν αὐτοῖς
ὅ ἄγγελος, Μὴ φοβεῖσθε· ἴδού γὰρ εὐαγγελίζομαι
ὑμῖν χαρὰν μεγάλην, ὅτις ἔσται παντὶ τῷ λαῷ,
¹¹ ὅτι ἐτέχθη ὑμῖν σῆμερον σωτήρ, ὃς ἔστιν χριστὸς
κύριος, ἐν πόλει † Δανεῖδ". ¹² καὶ τοῦτο ὑμῖν τὸ
σημεῖον· εὐρήστε βρέφος ἐσπαργανωμένον * καὶ
κείμενον ἐν † φάτνῃ. ¹³ Καὶ ἔξαιφνης ἐγένετο
σὺν τῷ ἄγγέλῳ πλῆθος ¶ στρατιᾶς † οὐρανοῦ,
αἰνούντων τὸν θεὸν καὶ λεγόντων, ¹⁴ Δόξα ἐν

domo et familia David, ⁵ ut profiteretur cum Maria desponsata sibi uxore praegnante.
⁶ (2, 5.) Factum est autem cum essent ibi, impleti sunt dies ut parceret, ⁷ et peperit filium suum primogenitum, et pannis eum involvit et reclinavit cum in praesepio, quia non erat eis locus in diversorio.

⁸ (3, 10.) Et pastores erant in regione eadem vigilantes et custodientes vigilias noctis supra gregem suum. ⁹ Et ecce angelus domini stetit iuxta illos, et claritas dei circumfulsit illos, et timuerunt timore magno. ¹⁰ Et dixit illis angelus, Nolite timere: ecce enim evangelizo vobis gaudium magnum, quod erit omni populo, ¹¹ quia natus est vobis hodie salvator, qui est Christus dominus, in civitate David. ¹² Et hoc vobis signum: inventietis infans pannis involutum et positum in praesepio. ¹³ Et subito facta est cum angelo multitudine militiae caelestis laudantium deum et dicentium, ¹⁴ Gloria in altis-

§ P

12. [τὸ] σημεῖον

¶ F
13. οὐρανοῖς

- κνω sub fin. ver. 5. D. | Contra, Eus.
D.E. ad Steph.
5. απογραψασθαι BCLΞ. rel. Just. Tr. 78.
Eus. D.E. 341^d. (ad Steph. i. 226. ante
εἰς πολ. Δ.) | απογραφεσθαι AD. 33.
(vid. ver. 1.) | απογραψεσθαι Δ.
— Μαριὰμ Eus. D.E. | Μαριὰ D. Eus.
D.E. codd. ad Steph.
— εμνηστευηγ AB^aBch.Rl.C^bD^cLΞ. |
† μεμνηστ. Σ. B^bC^cD^dman.rec. rel. Eus.
D.E. ad Steph. (om. a.b.c.)
— αὐτῷ? ?om.Bap.Rl.(habet Mai.) ||
† add. γνωκι Σ. AC^aut vid. rel.
Vulg. a.b.c.f. Syr.Hel. Goth. Εθ.
Eus. D.E.ed.(sed qu.) | om. BC^but vid.
DLΞ. 1. Perus. e.f. Syr.Pst. Memph.
Theb.Mnt. Arm. Eus. D.E. codd. ad
Steph. (mox εγγω Bap.Rl.)
6. εγένετο δὲ εν τῷ ειναι αυτοὺς εκεὶ Eus.
D.E. 342^a. (aut. ειναι) | ὡς δὲ παρεγε-
νοτο D.
— επλησθησαν Eus. D.E. | ετελεσθησαν
D.
7. αυτηγ[?] om. b.c.f.g¹.l. | Contra, Vulg.
a.e.f.g²
— φατνῃ] † praem. τη Σ. Δ. rel. Eus.
D.E. 342^a. ed. (vid. ver. 16). | om. AB
DLΞ. Goth. Arm. Eus. D.E. codd.
(φατνηδηγ Οτι Δ.)

7. διοτι] διο F*.
— αυτοῖς] om. a.b.c.e.f.l. | Contra, Vulg.
f. Eus. D.E.
8. καὶ ποιμένες AB. rel. Vulg. c. Syr.
Hcl. vv. Eus. D.E. 342^a. | ποιμένες δε
D. a.b.e.f.g¹. Syr.Pst.
— χωρα τηντη Vulg. e. Syr.Hcl. vv.
Eus. D.E. | αντη χωρα 33. 69. F. a.b.
c.f.g¹. (Syr.Pst.) [χωρα] χωρα D*
Gr. || τη αντη] ταντη D*.
— φυλακα] praem. τας D. | Contra,
Eus. D.E.
— την ποιμνην Eus. D.E. | της ποιμνης
1. | τη ποιμνη ΕΗ.
9. ιδον AD. rel. Vulg. a.b.c.f. Syr.
Pst.& Hel. Memph. | om. BLΞ. e.g¹.
Syr.Hier. Theb.Mnt. Goth. Arm. Εθ.
Eus. D.E. 342^a.
— κυριον 1^o.] om. Γ. e. (Dei Syr.Pst.)
— δοξα] δοξα Α*.
— κυριον 2^o. ABP. rel. a. vv. (θεον Σ.
Vulg. c.e. Syr.Hcl.mg. Eus. D.E.)
| om. D. b.f.l.
— φοβον μιγναν ADP. rel. vv. Eus. D.E.
| σφοδρα B. (add. id. Memph.)
10. γαρ] om. P. | Contra, Orig. iv.
15^a. Orig. Int. iii. 945^d. Eus. D.E.
342^b.
— εναγγελιωμαι EK.
10. εσται] add. και D. | Contra, Orig. iv.
Eus. D.E.
11. οι] ο F.
— κυριος Orig. iv. Eus. D.E. | Jesus
d. Cypr. 288. Jesus Dominus e. Do-
mini Syr.Hier.
12. το ADP. rel. Eus. D.E. 342^b. | om.
ΒΞ.
— σημειον] add. εστω D.
— ενρησητε Α.
— και κειμενον BPLΞ. 1. 33. S. Vulg.
b.c.e.f.g^{1,2}.l. Syr.Pst. & Hcl. Memph.
ed. et MSS. Goth. Arm. Εθ. Orig.
Int. iii. 950^d. Eus. D.E. | om. D. |
* om. και Σ. A. rel. a. Memph.
MS.
— φατνη] † praem. τη Σ. F²Ks. (vid.
ver. 16). | om. ABDPLΞΔ. 1. 69. EF²
GHM T²SUVΓΔ. Goth. Eus. D.E.
163^b. 342^b.
— αινοντων Eus. D.E. bis. vid. Orig. iv.
15^a. | αινοντων D*.

5. praeagnate Am. | 8. super gregem Cl.

KATA ΛΟΥΚΑΝ.

II. 15.

A B D (P) (R)
L (Ξ) [X] Δ.
1. 33. 69.
EGHKMSUVΓΑ
[F^a].
14. εὐδοκία

ὑψίστοις θεῷ, καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ ἐν ἀνθρώποις † εὐ- simis deo, et in terra pax in
δοκίᾳς." hominibus bonae voluntatis.

10¹⁵ Καὶ ἐγένετο, ὡς ἀπῆλθον ἀπ' αὐτῶν εἰς τὸν οὐρανὸν οἱ ἄγγελοι, [καὶ οἱ ἀνθρωποι] οἱ ποιμένες εἶπον πρὸς ἀλλήλους, Διέλθωμεν δὴ ἔως Βηθλεὲμ καὶ ἴδωμεν τὸ ρῆμα τοῦτο τὸ γεγονός ὃ ὁ κύριος ἔγνωρισεν ἡμῖν. ¹⁶ καὶ † ἥλθαν" § σπεύσαντες καὶ † ἀνεῦραν" τὴν τε Μαριὰμ καὶ τὸν Ἰωσὴφ καὶ τὸ βρέφος κείμενον ἐν τῇ φάτνῃ. ¹⁷ ἴδοντες δὲ † ἐγνωρισαν" περὶ τοῦ ρήματος τοῦ λαληθέντος αὐτοῖς περὶ τοῦ παιδίου τούτου. ¹⁸ καὶ πάντες οἱ ἀκούσαντες ἐθαύμασαν περὶ τῶν λαληθέντων ὑπὸ τῶν ποιμένων πρὸς αὐτούς. ^{§ 19} ή δὲ † Μαρία" πάντα συνετήρει τὰ ρήματα ταῦτα συμβάλλοντα ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτῆς. ^{¶ 20} καὶ † ὑπέστρεψαν" οἱ ποιμένες, δοξάζοντες καὶ αἰνοῦντες τὸν θεὸν ἐπὶ πᾶσιν οἷς ἤκουσαν καὶ εἶδον καθὼς ἐλαλήθη πρὸς αὐτούς. ¶

11²¹ § Καὶ ὅτε ἐπλήσθησαν ἡμέραι ὀκτὼ τοῦ περιτεμεῖν † αὐτόν, καὶ ἐκλήθη τὸ ὄνομα αὐτοῦ Ἰησοῦς,

¹⁵ Et factum est ut discesserunt ab eis angeli in caelum, pastores loquebantur ad invicem, Transeamus usque Bethlem et videamus hoc verbum quod factum est, quod dominus ostendit nobis. ¹⁶ Et venerunt festinantes, et invenerunt Mariam et Ioseph et infante positum in praesepio. ¹⁷ Videntes autem cognoverunt de verbo quod dictum erat illis de pueru hoc. ¹⁸ Et omnes qui audierunt mirati sunt et de his quae dicta erant a pastoribus ad ipsos: ¹⁹ Maria autem conservabat omnia verba haec conferens in corde suo. ²⁰ Et reversi sunt pastores, glorificantes et laudantes deum in omnibus quae audierant et vierant sicut dictum est ad illos.

²¹ Et postquam consummatis sunt dies octo ut circumcidetur, vocatum est nomen eius

14. εν ανθρ.] praem. καὶ Syrr.Pst.&Hel.t. Memph. ||om. εν Vulg.Cl. a.b.c.e. f.ffffl. Orig. Int. iii. 946^{e.d.} Iren. 186. Hil. 802^a. | Contra, Am. For. g¹. rel. Orig.(ter.) Greg. Thaum. Eus.(bis.) vid. infra. Orig. Int. iii. 946^f. — εὐδοκίας A in hoc loco. B[¶]MaiD. Latt. Goth. Iren. 186. Orig. Int. Hieronymo iii. 946^{e.d.f.} Hil. 802^a. "Gloria in altissimis Deo, et in terra pax, eum.... his sermonibus glorificaverunt: qui suo plasmati hoc est hominibus suam benignitatem salutis de caelo misit." Iren. 187. "Pax enim quam non dat Dominus super terram non est pax bona voluntatis." Orig. Int. iii. 946^f. | εὐδοκίας. A in Hymno matutino. B[¶]Mai PL ΞΔ. Psalt. Turic. 1. rel. Syrr.Pst.&Hel. (et mg. Graecē) Memph. Arm. Εθ. Orig. i. 374^a. ii. 714^b. iv. 15^b. Greg. Thaum. 6^a. Eus. D.E. 163^c. 342^b. (h. 33.) Sed ex his, vero Origenis lectio (ut ab Hieronymo interprete liquet) est εὐδοκίας; quae vox quoque in vv. forsitan tanquam gen. appositionis lecta est. 15. απ' αυτῶν εις τὸν οὐρανὸν οἱ αγγελοι ABP. rel. (a.) Memph. Goth. (Orig. iv. 15^b) Eus. D.E. 342^b. (?om. απ' αυτ. a. vid. Iren.) | οἱ αγγ. απ' αυτ. εις τὸν

οὐρ. D. (Ξθ.) | απ' αυτ. οἱ αγγ. εις τὸν οὐρ. 33. 69. Vulg. (b.c.e.) f.(ff)g¹(l.) Syrr. Pst. & Hel. Arm. Orig. Int. iii. 947^d. (angelus b.c.e.f. l.) | απ' αυτ. οἱ εκ των οὐρανων αγγ. G. 15. καὶ οἱ ανθρωποι ADP. rel. Syr.Hel. Goth. Εθ. | om. BLΞ. 1. Latt. Syr.Pst. Memph. Theb.Mnt. Arm. Orig. Int. iii. Eus. D.E. (et illi c.) — επον ADP. rel. c.e. vv. Orig. Int. iii. Eus. D.E. (επαν LΞ.) | ελαλον B. Vulg. f. (h. 33.) | loquebantur ad invicem et dixerunt a.b.f(f).g¹.l. — αλληλους Eus. D.E. | έαντον 69. — δε] om. Ξ. — ἐώς Eus. D.E. | εν Λ. ||add. εις P. — ιώμεν Eus. D.E. | ειδούμεν P(M.). — γεγονοι γεγονως D*. (γενομενον Eus. D.E.) — ήμαν] om. Γ. 16. ηλθαν B[¶]Tj.Mai.LΞ. | † ἥλθον Σ. AB'DP. rel. Eus. D.E. 342^c. — σπεύσαντες Eus. D.E. | σπενδοντες D. | πιστεύσαντες Ξ. — ανευραν B[¶]Rl.Mai). (ευραν LΞ.) | † ανευρον Σ. AB'PR. rel. | ευρον D (LΞ.) 1. 69. Eus. D.E. — τε] om. D. Latt. Syrr.Pst.&Hel. Memph. Eus. D.E.

16. Μαριαμ] Μαριαν D. Eus. D.E. ed. — τη φατνη] om. τη H. Goth. Arm. | Contra, Eus. D.E. 17. δε] om. Ξ. — εγνωρισαν BDLΞ. rel. Eus. D.E. 342^c. | † διεγνωρισαν Σ. APR. rel. — τοντοι ABPR. rel. Vulg. b.c.f.g¹. Syr.Hel. Theb.Mnt. Goth. Eus. D.E. | om. D. 1. Α.ap.Tj. a.e.f. Syr.Pst. Memph. Arm. Εθ. 18. οι ακονσαντες ιθαυμασαν ABP. rel. Eus. D.E. 342^c. (om. οι 1.) (ιθαυμαζ. E* ut vid.) | οι ακονοντες ιθαυμαζον D Gr. e(f.) 19. Μαρια BDR. Memph.W. & MS. | † Μαριαμ Σ. AP. rel. Memph.Schw. & MS. — παντα συνετηρει ABPR. rel. Eus. ap. Tj. | συνετ. παν. DX. Latt. Syrr. Pst.&Hel. Εθ. | (παντας 69. συνετηρη Η.) — παντα] om. B. — συμβαλουσα Κ*. — αντης] έαντης R. 33. 20. ὑπέστρεψαν AB.Bch.Mai.DP(R)LX Δ. 1. 33. (69). EF Wst.GHCKMSUVΓ 14. om. in ante hominibus Cl. | 15. quod fecit dominus et ostendit Am. | 21. circumcidetur puer Cl.